Skill Development Programme
For Answer Writing
Current Affairs
Model Answer

DATE : 17-Sep-2018 **TIME : 06:30 pm**

मुख्य परीक्षा

प्र. **वायु रक्षा प्रणाली (Air Defence System) पर प्रकाश डालते हुए पृथ्वी एयर डिफेंस सिस्टम तथा आकाश एयर डिफेंस सिस्टम में विभेद को स्पष्ट करें।**

(250 शब्द, 15 अंक)

Highlighting the Air Defence System, elucidate the difference between Prithvi Air Defence System and Akash Air Defence System.

(250 Words, 15 Marks)

MODEL ANSWER

उत्तर- वायु रक्षा प्रणाली एक ऐसा तंत्र होता है, जिसमें दुश्मन की ओर से आने वाली बेलिस्टिक मिसाइल, फाइटर जेट या ड्रोन को हवा में मार गिराती है। विश्व की अत्याधुनिक वायु रक्षा प्रणाली में थाड (यू.ए.ए.) और एस. 400 (रूस) प्रमुख है।

यह तंत्र तीन चरणों में कार्य करती हैं-

1. हवाई रडार का प्रयोग करके दुश्मन के क्षेत्र में आने वाली मिसाइलों के प्रति चेतावनी जारी करना। इसमें अवाक्स जैसे रडार को प्रयोग में लाया जाता है।
2. इस चरण में ट्रैक की गई मिसाइलों को जमीन पर स्थित रडारों के रेंज में लाया जाता है।
3. इस चरण में इंटरसेप्टर मिसाइल प्रक्षेपित कर शत्रु देश की मिसाइल नष्ट कर दी जाती है।

इंटरसेप्टर मिसाइल के आधार पर एयर डिफेंस सिस्टम को दो भागों में बाँटा जाता है। बहिर्मंडल वायु मंडल प्रणाली और अन्त: वायुमंडल प्रणाली। इसी में बहिर्मंडल प्रणाली को पृथ्वी और अन्त: वायुमंडलीय प्रणाली को आकाश एयर डिफेंस के नाम से जाना जाता है।

पृथ्वी एयर डिफेंस सिस्टम में जहाँ मिसाइलों को वायुमंडल में प्रवेश करने से पहले मार गिराती है। वहीं आकाश एयर डिफेंस सिस्टम मिसाइलों को वायुमंडल के अंदर प्रवेश करने देती है और काफी करीब आने पर नष्ट कर देती है।

पृथ्वी एयर डिफेंस सिस्टम में पृथ्वी मिसाइलों का प्रयोग करती है। वहीं आकाश एयर डिफेंस सिस्टम में आकाश मिसाइलों का प्रयोग किया जाता है।

निष्कर्ष-

इस प्रकार संक्षेप में वायुरक्षा प्रणाली किसी भी देश की रक्षा में विश्वसनीय भूमिका निभाती है। भारत की वायु रक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए रूस द्वारा निर्मित S-400 वायु रक्षा प्रणाली की जरूरत को देखते हुए रूस से इस प्रणाली की खरीद हेतु वार्ता चल रही हैं। S-400 तथा भारत की वायु रक्षा प्रणाली सम्मिलित रुप से हमारी वर्तमान रक्षा आवश्यकता को पूरी करने में सक्षम हो सकेंगे। अपने पड़ोसियों से संभावित खतरे को देखते हुए सरकार को जल्द से जल्द S-400 को भारत की सीमाओं पर तैनात करने के लिए रूस से इसके आयात हेतु तकनीकी व्यवधानों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए।

* * *